Course -- B.Ed ,Part -1
Paper --- 7th, Learning Assessment
Prepared by -- Dr Meena Kumari
Topic-- Tools of Evaluation..... continued

मूल्यांकन के उपकरण (Tools of Evaluation)

(1)प्रस्तावना :-अधिगम प्रक्रिया में मूल्यांकन का महत्वपूर्ण स्थान है! मूल्यांकन करने का माध्यम विभिन्न होता है और मूल्यांकन करने का जो माध्यम होता है या जिस माध्यम के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है उसी को मूल्यांकन का उपकरण कहते हैं ,उदाहरण स्वरूप विभिन्न प्रकार के वस्तुनिष्ठ तथा आत्मनिष्ठ परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण ,निर्धारण मापनी, बुद्धि परीक्षण,तथा अनुसूची इत्यादि ।

(2) वस्तुनिष्ठ एवं आत्मनिष्ठ उपकरण :---शिक्षा शास्त्रियों ने शिक्षा में प्रयोग होने वाले परीक्षणों तथा उपकरण को कसौटी के आधार पर कई भागों में बांटा जाता है जिसमें प्रमुख आधार है प्राप्तांक यानि अंक लेखन की कसौटी का आधार -----

(क) वस्तुनिष्ठ परीक्षण -- वैसे परीक्षणों को कहा जाता है जिनके उत्तरों का अंक देने की विधि स्पष्ट होती है तथा परीक्षकों के व्यक्तिगत निर्णय का प्रभाव बिल्कुल नहीं होता है ।ऐसे परीक्षणों की अंकन करने की पद्धति तथा उसका निष्कर्ष हर स्थिति में समान होता है। बहुविकल्पी प्रश्न ,सही गलत प्रश्न तथा मिलान करने वाले प्रश्न वस्तुनिष्ठ परीक्षण के अंतर्गत आते हैं । इस तरह की प्रकृति वाले उपकरण वस्तुनिष्ठ उपकरण कहलाते हैं।अधिकतर मानक परीक्षणों का प्रकार इसी तरह का होता है। ऐसे परीक्षणों की परिस्थिति, कार्य विधि तथा निर्धारण मानक आदि पूर्व निर्धारित होते हैं ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि विभिन्न परीक्षण संचालक एक समान ही निष्कर्ष पर पहुंचेंगे।

(ख) आत्मनिष्ठ उपकरण -- ऐसे उपकरण का प्रयोग ऎसे परीक्षण के लिए होता है जो अधिकांशतः छात्रों द्वारा दी गई जानकारी या अध्यापक द्वारा एकत्रित प्रभावों पर आधारित होती है। सबसे अधिक प्रयोग होने वाले व्यक्तिनिष्ठ उपकरण में निबंधात्मक परीक्षा आते हैं। निबंधात्मक परीक्षण में उत्तर के अंक देने की विधि में काफी भिन्नता पाई जाती है

(3)मूल्यांकन के उपकरण:--- उपकरण के रूप में निर्धारण मापनी, बुद्धि और अभिक्षमता परीक्षण, मापन घटना क्रम सूची, निर्मित, मानकीकृत परीक्षण इत्यादि आते हैं ।प्रत्येक यन्त्र या उपकरण की विशेष भूमिका होती है ।उदाहरण के लिए निर्धारण मापनी वस्तुओं के वर्गीकरण में उपयोगी है।विभिन्न प्रकार के उपकरण निम्नवत है -----

परीक्षण ,--- एक प्रकार का उपकरण है जो व्यक्तियों के समूह के व्यवहार का क्रमबद्ध तथा व्यवस्थित जानकारी प्रदान करता है। परीक्षण का अर्थ ऐसी स्थिति रखने से है जो व्यक्ति के वास्तविक गुणों को प्रकट कर दे।
विभिन्न प्रकार के गुणों को मापने के लिए विभिन्न प्रकार के परीक्षणों का प्रयोग किया जाता है। छात्रों को शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिए उपलब्धि परीक्षण का प्रयोग किया जाता है ।व्यक्तित्व को जानने के लिए व्यक्तित्व परीक्षण का तथा बुद्धि को मापने के लिए बुद्धि परीक्षण का। परीक्षण के प्रकृति के आधार पर परिजनों को मौखिक परीक्षा , लिखित परीक्षा तथा प्रयोगात्मक परीक्षण के रूप में बांटा जा सकता है । मौखिक परीक्षण में मौखिक प्रश्नोत्तर के द्वारा व्यवहार का निरीक्षण किया जाता है।लिखित परीक्षण में परीक्षण
का माध्यम लिखित होता है।कुछ मुख्य परीक्षण निम्न वत है ----

१)बुद्धि परीक्षण :-- सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षण या व्यक्ति के सामान्य मानसिक योग्यता का माप करने वाले उपकरण को ही बुद्धि परीक्षण कहते हैं। इस उपकरण के माध्यम से व्यक्ति का कार्य निष्पादन करने की क्षमता में मानसिक योग्यता की जांच करता है ।प्रत्येक व्यक्ति के लिए मानसिक योग्यता अलग अलग होता है ।परीक्षणों के प्रश्न व्यक्ति के संबंध को समझने ,समस्या समाधान तथा विभिन्न परिस्थितियों में ज्ञान का उपयोग करने की योग्यता को मापते हैं ।बुद्धि परीक्षणों में निम्न वत वर्गीकृत किया गया है -----

1)व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण-- इस तरह का परीक्षण एक समय में एक ही व्यक्ति पर संचालित की जाती है !परीक्षणकर्ता एक बार में केवल एक ही व्यक्ति के सम्मुख परीक्षण समस्याओं को प्रस्तुत करता है तथा उसकी प्रतिक्रिया के आधार पर उसकी बुद्धि का मापन करता है। व्यक्तिगत परीक्षण के प्रशासन में कुशलता एवं दक्षता की आवश्यकता होती है यही कारण है कि केवल प्रशिक्षित प्रशिक्षण कर्ता ही व्यक्तिगत परीक्षणों को समुचित ढंग से उपयोग कर सकता है ।व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण में शाब्दिक और अशाब्दिक दोनों प्रकार के परीक्षणों से है।कुछ व्यक्तिगत परीक्षण में भाटिया बैटरी परीक्षण,वैश्लार बुद्धि परीक्षण आदि व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण के उदाहरण है।
2) सामूहिक बुद्धि परीक्षण -- सामूहिक बुद्धि परीक्षण एक समय में अनेक व्यक्तियों पर संचालित किया जा सकता है ।इस प्रकार के परीक्षणों का प्रशासन तथा अंकन सरल होता है तथा समान्य व्यक्ति इसका संचालन कर सकते हैं ।सामूहिक बुद्धि परीक्षण भी शाब्दिक और अशाब्दिक दोनों प्रकार के होते हैं ।छात्रों और कर्मचारियों के चयन में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। आर्मी के लिए अल्फा परीक्षण आर्मी बीटा परीक्षण सामूहिक बुद्धि परीक्षण का उदाहरण है ।यह परीक्षण अधिक वस्तुनिष्ठ होते हैं। व्यक्तियों के चयन तथा वर्गीकरण में इसका उपयोग किया जाता है।

3) शाब्दिक बुद्धि परीक्षण :-- इस परीक्षण में शब्दों या भाषा के माध्यम से प्रश्नों या समस्याओं को प्रस्तुत किया जाता है तथा परीक्षार्थी भाषा के माध्यम से इन प्रश्नों या समस्याओं का उत्तर देते हैं ।जिन परीक्षाओं में भाषा का प्रयोग किया जाता है उसे शाब्दिक परीक्षण कहा जाता है ।कागज -कलम परीक्षण या लिखित परीक्षण होते हैं ।शाब्दिक बुद्धि परीक्षण व्यक्तिगत भी हो सकते हैं तथा सामूहिक भी हो सकते हैं ।बिने साइमन परीक्षण तथा जलोटा, टंडन एवं मेहता के बुद्धि परीक्षण शाब्दिक बुद्धि परीक्षण के कुछ उदाहरण हैं।

4) अशब्दिक बुद्धि परीक्षण -- इस तरह के बुद्धि परीक्षण में शब्दों या भाषा का प्रयोग न करके चित्र तथा अन्य स्थूल वस्तुओं के माध्यम से समस्याएं प्रस्तुत की जाती है। अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण में चित्रों तथा स्थूल वस्तुओं की सहायता से प्रश्नों की रचना की जाती है तथा परीक्षार्थी को सही चित्र प्रस्तुत करें अथवा कुछ क्रिया करके अपने उत्तर को व्यक्त करना होता है। इस प्रकार के बुद्धि परीक्षा व्यक्तिगत परीक्षण भी हो

सकते हैं और सामूहिक परीक्षण भी हो सकते हैं ।शाब्दिक बुद्धि परीक्षण दो प्रकार के हैं कागज कलम परीक्षण तथा निष्पादन परीक्षण।

कागज कलम परीक्षण में चित्रों ,आकृतियों या संख्याओं आदि की सहायता से कागज पर मुद्रित रूप में समस्याएं प्रस्तुत की जाती है ।जिनका उत्तर परीक्षार्थी कागज पर कुछ निशान लगाकर अथवा करके देता है ।इसके विपरीत निष्पादन परीक्षण में निर्जीव वस्तुओं जैसे विभिन्न प्रकार के लकड़ी के गुटके आदि की सहायता से समस्याएं प्रस्तुत की जाती है। भाटिया बैटरी निष्पादन का परीक्षण निष्पादन परीक्षण है जबकि रेविन की प्रोग्रेस मैट्रिक्स परीक्षण कागज कलम प्रकार का अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण है।

5) गति परीक्षण :-- यह परीक्षण ऐसा होता है जिसमें किसी को भी परीक्षण को पूरा करने का सीमित समय मिलता है ,उसी समय के अंतर्गत उसको अपने परीक्षण को पूरा करना पड़ता है यानी परीक्षण को पूरा करने का पर्याप्त समय नहीं होता है।

6) शक्ति परीक्षण :-- वह परीक्षण जिसमें प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षण को पूरा करने का पर्याप्त अवसर मिलता है ।इसमें कोई समय सीमा नहीं होती है और परीक्षार्थी तब तक प्रश्नों को हल करता रहता है जब तक वह और अधिक प्रश्न करने में स्वयं को असमर्थ पाता है।

जारी------